05 March 2019

1. **इसरो ने स्कूली बच्चों के लिए "युवा विज्ञानी कार्यक्रम" शुरू किया है।**

- इसरो ने स्कूली बच्चों के लिए "युवा विज्ञानी कार्यक्रम" नामक एक विशेष कार्यक्रम की शुरूआत की है।
- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष गतिविधियों के उभरते हुए क्षेत्रों में इनकी रुचि जगाने के इरादे से युवा लोगों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है।
- इसरो ने "युवाओं को आकर्षित" करने के लिए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है।
- सी.बी.एस.ई., आई.सी.एस.ई. और राज्य पाठ्यक्रम को शामिल करते हुए प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रत्येक राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश से 3 छात्रों का चयन करना प्रस्तावित किया गया है।
- जिन्होंने 8वीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है और वर्तमान में 9वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं, वे इस कार्यक्रम के पात्र होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **प्रधानमंत्री ने "एक राष्ट्र, एक कार्ड" लांच किया है।**

- प्रधानमंत्री ने स्वदेशी रूप से विकसित राष्ट्रीय सामान्य गतिशीलता कार्ड लॉन्च किया है।
- एक राष्ट्र, एक कार्ड मॉडल अर्थात राष्ट्रीय सामान्य गतिशीलता कार्ड (एन.सी.एम.सी.) पर आधारित स्वदेशी स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली, भारत में इस प्रकार की पहली प्रणाली है।
- यह विभिन्न प्रकार के परिवहन शुल्क के भुगतान को सुव्यवस्थित करने में लोगो को सक्षम करेगी।
- करार के अनुसार "एक राष्ट्र, एक कार्ड", अंतर-संचालित परिवहन कार्ड, धारक को अपना बस यात्रा का किराया, पार्किंग, फुटकर खरीददारी और पैसे निकालने की स्वीकृति प्रदान करेगा।
- परिवहन के लिए भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र है जिसमें एन.सी.एम.सी. मानकों पर आधारित एन.सी.एम.सी. कार्ड, स्वीकार (स्वच्छलित किराया: स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली) और स्वागत (स्वचालित गेट) शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली (ए.एफ.सी.)

- ए.एफ.सी. प्रणाली (गेट, पाठक/ सत्यापनकर्ता, समर्थित ढांचा आदि), किराया संग्रहण प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए किसी भी पारगमन संचालक का मूल है।
- भारत में अब तक ए.एफ.सी. प्रणाली के कार्यान्वयन से संबंधित प्रमुख चुनौती, स्वदेशी समाधान प्रदाता की कमी है।
- अब तक, विभिन्न महानगरों में लगाई गई ए.एफ.सी. प्रणाली विदेशी निकायों की हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. **बोल्ड–क्विट (BOLD-QIT) परियोजना**

- केंद्रीय गृह मंत्री ने असम के धुबरी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सी.आई.बी.एम.एस. (व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली) के अंतर्गत BOLD-QIT (सीमा वैद्युत शासित QRT अवरोधन तकनीकि) का अनावरण किया है।

संबंधित जानकारी

- तकनीकि प्रणालियों को स्थापित करने हेतु व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सी.आई.बी.एम.एस.) के अंतर्गत **BOLD-QIT, एक** परियोजना है।
- यह ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के निर्जन नदी क्षेत्र में भारत-बांग्लादेश सीमाओं को विभिन्न प्रकार के सेंसरों से सुसज्जित करने में बी.एस.एफ. की मदद करेगी।

व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सी.आई.बी.एम.एस.)

- पठानकोट हमले के बाद सरकार ने व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सी.आई.बी.एम.एस.) के अंतर्गत पाकिस्तान के साथ 2900 किलोमीटर लंबी पश्चिमी सीमा पर घुसपैठ रोकने की योजना बनाई है।
- इसके बाद में उन्होंने इसे अन्य सीमाओं में भी लागू करने का फैसला किया है।
- इसमें अत्याधुनिक निगरानी तकनीकों की तैनाती शामिल है जैसे:

1. थर्मल इमेजर्स
2. अवरक्त और लेजर-आधारित घुसपैठिया अलार्म जो एक अदृश्य भूमि बाड़ का निर्माण करता हैं
3. हवाई निगरानी के लिए एयरोस्टेट
4. नदी की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए नायाब ग्राउंड सेंसर का उपयोग करना जो सुरंगों, रडार, सोनार प्रणालियों के माध्यम से घुसपैठ की कोशिशों का पता लगाने में मदद कर सकते हैं।
5. फाइबर-ऑप्टिक सेंसर और एक कमांड और नियंतत्र प्रणाली जो वास्तविक समय में सभी निगरानी उपकरण से डेटा प्राप्त करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **फसलों को जलाने से श्वास संबंधी बीमारियां होने का खतरा तीन गुना तक बढ़ जाता है: आई.एफ.पी.आर.आई. अध्ययन**

- उत्तर भारत के शीतकालीन प्रदूषण में योगदान देने वाले घटकों में से एक कृषि अवशेषों को जलाना है, इसके जलाने से श्वास संबंधी बीमारियां होने का खतरा तीन गुना तक बढ़ जाता है।
- आई.एफ.पी.आर.आई. के एक अध्ययन के अनुसार, फसलों को जलाने से प्रभावित राज्यों में काम करने के दिनों के होने वाले नुकसान के पदों यह वार्षिक रूप से $ 30 बिलियन (लगभग 2 ट्रिलियन) के नुकसान के लिए जिम्मेदार है।

अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आई.एफ.पी.आर.आई.)

- यह विकासशील देशों में स्थायी रूप से गरीबी को कम करने और भुखमरी और कुपोषण को समाप्त करने के लिए अनुसंधान-आधारित नीतिगत समाधान प्रदान करता है।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
- इसका उद्देश्य गरीबी को कम करने और भुखमरी और कुपोषण को समाप्त करने वाले अनुसंधान-आधारित नीतिगत समाधान प्रदान करना है।
- आई.एफ.पी.आर.आई. संस्थान की 2013-2018 रणनीति के अंतर्गत विकसित कार्य के मजबूत आधार पर निर्मित है और पांच रणनीतिक अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है:

  (a) जलवायु के लचीलेपन और सतत खाद्य आपूर्ति को बढ़ावा देने पर

(b) सभी के लिए स्वस्थ आहार और पोषण को बढ़ावा देने पर
(c) समावेशी और कुशल बाजार, व्यापार प्रणाली और खाद्य उद्योग का निर्माण करने पर
(d) कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने पर
(e) संस्थानों और शासन को मजबूत बनाने पर

नोट:

- ग्लोबल हंगर इंडेक्स, पहले अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आई.एफ.पी.आर.आई.) और वेल्थंगरलाइफ द्वारा प्रकाशित किया जाता था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

5. **भारत, गैंडों को बचाने के लिए 4 देशों के साथ संधि कर रहा है।**

- भारतीय उप-महाद्वीप में पाए जाने वाले महान एक सींग वाले गैंडे सहित एशियाई गैंडों की तीन प्रजातियों की जनसंख्या को बढ़ाने के लिए भारत भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया के साथ मिलकर काम करेगा।
- पांच गैंडा सीमा देशों ने प्रजातियों के संरक्षण और रक्षा के लिए हाल ही में आयोजित एशियाई गैंडा सीमा देशों की दूसरी बैठक में "एशियाई गैंडो 2019 पर घोषणा" नामक एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

ये घोषणाएं किस प्रकार गैंडो की मदद कर सकती हैं?

- प्रत्येक चार वर्षों में महान एक सींग वाला गैंडा, जवान और सुमात्राई गैंडे की जनसंख्या की समीक्षा और संरक्षण करने के लिए घोषणापत्र में हस्ताक्षर किए गए हैं, यह कदम इनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए संयुक्त कार्यों की आवश्यक्ताओं का पुनर्मूल्यांकल करने हेतु उठाया गया है।
- घोषणा में गैंडों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों, उनकी संभावित बीमारियों और आवश्यक कदम उठाने, वन्यजीव फॉरेंसिको का सहयोग और सशक्तीकरण करने और महान एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण हेतु भारत, नेपाल और भूटान के मध्य सीमा पार समझौते को मजबूत करना शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>अस्मिता योजना</u>**

- खराब गुणवत्ता वाली सैनिटरी नैपकीन की शिकायतों के कारण अच्छी प्रतिक्रियाएं हासिल करने में अस्मिता योजना के विफल रहने के एक वर्ष बाद ग्रामीण विभाग ने नई निविदाएँ मंगाई हैं।
- हालांकि, इस बार सरकारी अधिकारियों द्वारा पैडों को प्रयोग करने और स्वीकृति प्रदान करने के बाद ही पैडों को जारी किया जाएगा।

योजना के संदर्भ में जानकारी:

- यह योजना महाराष्ट्र सरकार द्वारा ग्रामीण लड़कियों और महिलाओं को रियायती दरों पर सैनिटरी नैपकिन प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।
- इस योजना में जिला परिषद स्कूलों में 11 से 19 वर्ष की आयु की किशोरियाँ और ग्रामीण महिलाएं शामिल हैं।
- सरकार ने वर्ष 2018 में सैनिटरी नैपकिन की आवश्यकताओं को निश्चित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का अनुसरण किया है।
- सब्सिडी वाले सैनिटरी नैपकिन खरीदने के लिए स्कूली छात्राओं के लिए अस्मिता कार्ड बनाए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>विकलांगता खेल केंद्र</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में विकलांगता खेल केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

विकलांगता खेल केंद्र

- विकलांगता खेल केंद्र को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत किया जाएगा।
- यह केंद्र खेल गतिविधियों में विकलांग व्यक्तियों की प्रभावी भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए एक बेहतर खेल बुनियादी ढांचा तैयार करेगा और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगा।

- यह विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (आर.पी.डब्ल्यू.डी.) अधिनियम, 2016 की धारा 30 के तहत शामिल होंगे, जो सरकार को खेल गतिविधियों में विकलांग व्यक्तियों की प्रभावी भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का अधिकार प्रदान करता है, जो परस्पर उनके लिए खेल गतिविधियों हेतु अवसंरचनात्मक सुविधाओं का प्रावधान शामिल करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **राइस नॉलेज बैंक: एक वेब पोर्टल है।**

- राइस नॉलेज बैंक: एक वेब पोर्टल है, जिसे विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित असम कृषि व्यापार एवं ग्रामीण परिवर्तन (ए.पी.ए.आर.टी.) परियोजना के अंतर्गत लांच किया गया है।
- यह कृषि वेब पोर्टल, चावल उत्पादन तकनीकियों और प्रौद्योगिकियों, सर्वोत्तम उत्पादन अभ्यासों और राज्य कृषि तथ्यों पर ज्ञान को बढ़ाने के लिए समर्पित है।
- यह अनुसंधान और ऑन-फील्ड चावल उत्पादन अभ्यासों के बीच के अंतर को समाप्त करने में मदद करेगी, यह वेबसाइट विशेष रूप से असम में छोटे स्तर के किसानों के लिए व्यावहारिक ज्ञान समाधान प्रदान करने वाली एक डिजिटल विस्तार सेवा है।
- असम राइस नॉलेज बैंक (आर.के.बी.-असम), ए.ए.यू. और आई.आर.आर.आई. से प्राप्त अनुसंधान निष्कर्षों, शिक्षण और मीडिया संसाधनों से प्राप्त ज्ञान के आधार पर चावल उत्पादन तकनीकों, कृषि प्रौद्योगिकियों और सर्वश्रेष्ठ कृषि अभ्यासों को प्रदर्शित करता है।
- यह अनुसंधान प्रयोगशाला से किसान के खेतों तक प्रौद्योगिकियों और ज्ञान के तेज और प्रभावी हस्तांतरण का समर्थन करके कृषि विकास हेतु चुनौतियों का समाधान करने का कार्य करता है।
- भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र (एन.ई.आर.) में, चावल लगभग 85% फसली क्षेत्र में उगाया जाता है और इस प्रकार असम में कल्याण को बढ़ावा देने के लिए चावल की फसल पर निर्भरता अधिक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

9. **गुरुग्राम, विश्व का सबसे प्रदूषित शहर है, 4 अन्य एन.सी.आर. शहर शीर्ष 10 में शामिल हैं: आई.क्यू. एयर विजुअल 2018 विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट**

- भारत का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.) वर्ष 2018 में विश्व के सबसे प्रदूषित क्षेत्र के रूप में उभरा है, एक नई प्रदूषण रिपोर्ट में कहा गया है कि गुरुग्राम के साथ गाजियाबाद, फरीदाबाद, नोएडा और भिवाड़ी भी शीर्ष छह सबसे अधिक प्रभावित शहरों में शामिल हैं।
- यह रिपोर्ट आई.क्यू. एयर विजुअल द्वारा संकलित और विश्लेषित है, यह एक सॉफ्टवेयर कंपनी है जो पूरे विश्व में प्रदूषण पर निगरानी रखती है और ग्रीनपीस, एक पर्यावरणीय एन.जी.ओ. है।
- वायु प्रदूषण से पिछले वर्ष पूरे विश्व में अनुमानित रूप से सात मिलियन लोगो की मृत्यु हुई थी, जब कि इससे विश्व की 225 बिलियन डॉलर की लागत की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई थी।
- यह स्थिति दक्षिण एशिया के लिए तेजी से गंभीर होती जा रही है।
- पिछले वर्ष विश्व के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 18 शहर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के थे।
- इस सूची में दिल्ली को 11वां स्थान प्रदान किया गया है, शीर्ष पांच में केवल एक गैर-भारतीय शहर पाकिस्तान का फैसलाबाद है।
- एक समय, बीजिंग को विश्व का सबसे प्रदूषित शहर माना जाता था, इस शहर ने अपनी वायु की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है और यह शहर पिछले वर्ष सूची में 122वें स्थान पर रहा था।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, भारत में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन.सी.ए.पी.) अन्य चीजों के मध्य डेटा उपलब्धता और पारदर्शिता पर सुधार को दर्शा रहा है जो एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है, जिसने बीजिंग की वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद की थी।
- एन.सी.ए.पी., 10 जनवरी, 2019 को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ. और सी.सी.) द्वारा शुरू की गई एक रिपोर्ट के रूप में एक कार्यक्रम है।
- एन.सी.ए.पी. का लक्ष्य 102 गैर-प्राप्ति शहरों (वर्ष 2015 तक पुराने आंकड़ों के आधार पर सी.पी.सी.बी., केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पहचाने गए) में वर्ष 2017 के स्तरों की तुलना में वर्ष 2024 तक प्रदूषण स्तर को 20-30% तक कम करना है।